Date: ______ Page no: ______

* Chapter :— 4 *
* प्राणी जगत *

Que प्राणी जगत क्या है ? इसके सामान्य लक्षण लिखिए ?

Ans. इस जगत में सभी बहुकोशकीय युकेरियोटिक जीवों को रखा गया इसमें हम सभी जन्तुओं का अध्ययन करते है।

सामान्य लक्षण :—

1. इस जगत के जीवों का शारीरिक संघठन कोशिका स्तर, ऊतक स्तर अंग तथा अंग तंत्र स्तर का होता है।
2. इस जगत के सभी जीव बहुकोशकीय युकेरियोटिक होते है।
3. जन्तु कोशिका में कोशिका भित्ति का अभाव होता है।
4. इनकी कोशिकाओं में क्लोरोप्लास्ट नहीं पा[ए] जाता है।
5. इस जगत के सभी जीवों में लैंगिक जनन पाया जाता है परन्तु कुछ जीवों में अलैंगिक जनन भी होता है। जैसे :— हाइड्रा
6. जन्तु कोशिका में भोज्य पदार्थ ग्लाइकोजन के रूप में संचित होता है।

Date: ______ Page no: ______

(9) सभी जन्तुओं में विकसित कोशिका अंग पाये जाते हैं।

Que प्राणीयों के वर्गीकरण के आधार कौन - कौन से है?

Ans प्राणीयों की संरचना और आकार में भिन्नता होने के बाद भी उनमें कोशिका व्यवस्था शारीरिक सममिति प्रगुहा की प्रकृति, पाचन तंत्र, परिसंचरण तंत्र, जनन तंत्र आदि की रचना में कुछ आधारभूत समानता होती है।

सभी जन्तुओं के वर्गीकरण के आधार निम्न हैं

1) शारीरिक संगठन :— प्राणी जगत के सभी जीव बहुकोशकीय होते हैं, लेकिन सभी एक हि प्रकार के कोशिकीय संगठन को प्रदर्शित नहीं करते। इनमें ~~तीन~~ चार प्रकार का कोशिकीय संगठन पाया जाता है।

(i) कोशिका स्तर का संगठन - उदा. - स्पंज (पोरीफेरा संघ के सभी जीव)

(ii) ऊतक स्तर का शारीरिक संगठन - उदा. ~~प्लेटीहेल्मिंथीज (चपटेकृमि)~~, हाइड्रा, (सिलेन्ट्रेटा संघ के जीव)

(iii) अंग स्तर का संगठन - उदा. - प्लेटीहेल्मिंथीज (चपटेकृमि)

theboardstudy.com

Date: ______ Page no: ______

(iv) अंग तंत्र स्तर का संगठन :— उदा. — (आर्थोपोडा, मोलास्का, इकाइनोडर्मेटा संघ)

2) समभिति (Symetry) :— जीवों के शरीर में अंगो की व्यवस्था को समभिति कहते है। समभिति तीन प्रकार की होती है—

(i) अरीय समभिति (Redial Symetry) :— ऐसी समभिति जिसमें किसी जीव को केन्द्रीय बिन्दु या किसी भी भाग से काटा जाए तो दो बराबर भागो मे बँट जाता है।
उदा. :— सिलेंट्रेटा, टीनोफोरा, इकाइनोडर्मेटा संघ

(ii) असममिति :— ऐसी समभिति जिसमें किसी जीव के शरीर को दो बराबर भागो मे नहीं काटा जा सकता उसे असममिति कहते है।
उदा. :— स्पंज (पोरीफेरा संघ)

(iii) द्विपार्श्व समभिति :— इस प्रकार की समभिति मे किसी जीव को किसी विशेष बिन्दु से काटने पर दो बराबर भागो मे बाँटा जा सकता है उसे द्विपार्श्व समभिति कहते है।

theboardstudy.com

Date: ______ Page no: ______

उदा० :— एनिलिडा, आर्थोपोडा संघ

3) गुहा / प्रगुहा :—

शरीर भित्ति तथा आहारनाल के बीच में गुहा की उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति वर्गीकरण का महत्वपूर्ण आधार है। गुहा मुख्यतः दो प्रकार की होती है।

i) सत्य गुहा :—

ऐसी गुहा जो दोनो ओर से मिजोडर्म से घिरी होती है उसे सत्य गुहा कहते है। और जिन प्राणियों में यह गुहा पाई जाती है उन्हें प्रगुही प्राणी कहते है।

उदा० :— एनिलिडा, मोलास्का, आर्थोपोडा,

~~इकाइनोडर्मेटा~~

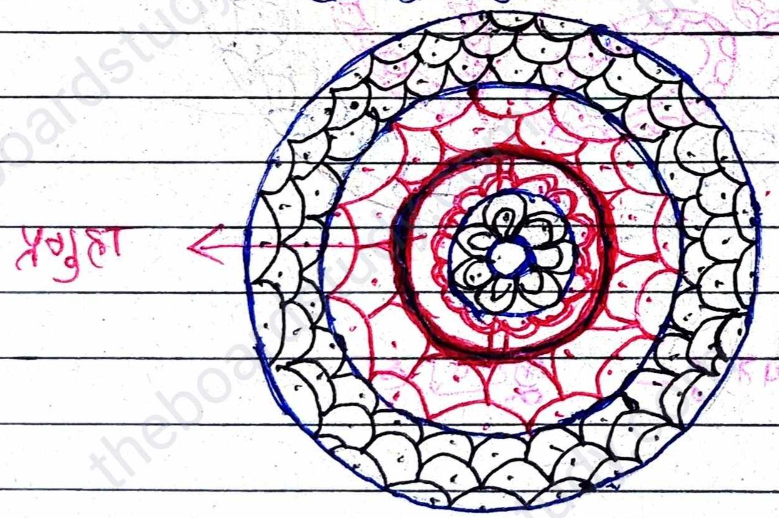

चित्र :— सत्य गुहा

Date: ______ Page no: ______

* असत्य गुहा / कूट गुहा :—
(स्यूडोसीलोम) इस प्रकार की गुहा में बाह्य त्वचा और अंत: त्वचा के बीच में मिजोडर्म थैलियों के समान संरचना में पाई जाती है जिसे असत्य गुहा कहते हैं, जिन प्राणीयों में यह गुहा पाई जाती है उन्हें कूटगुहिक प्राणी कहते है जैसे - ऐस्केहेल्मिंथीज

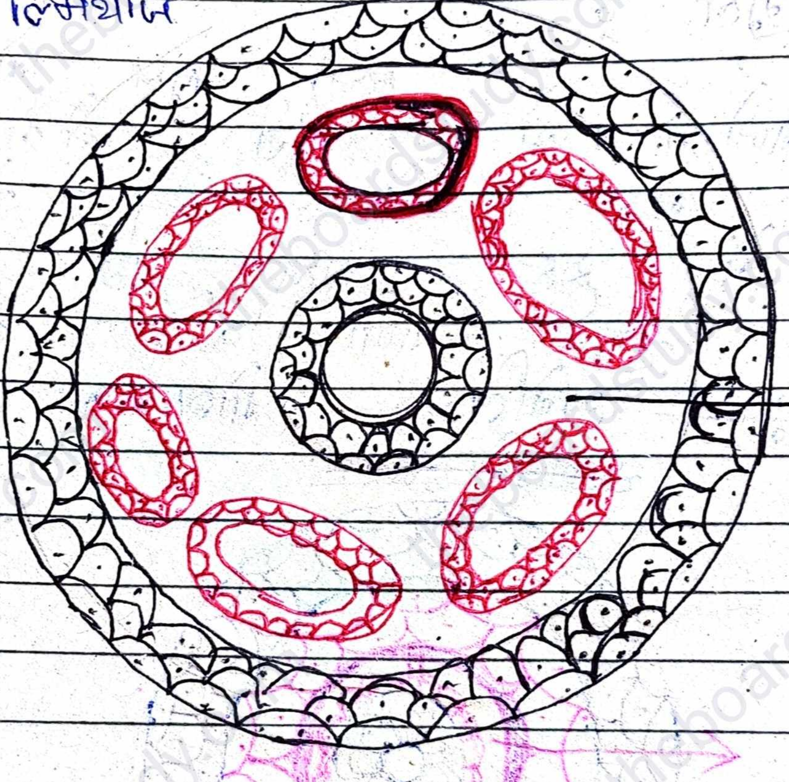

चित्र :- कूटगुहा

नोट :—
जिन प्राणियों में शरीर गुहा नहीं पाई जाती है उन्हें अगुही प्राणी कहते हैं
जैसे — प्लेटीहेल्मिंथीज

Date: ______ Page no: ______

4) खण्डी भवन / सेगमेन्टेशन :— कुछ प्राणियों में शरीर की बाह्य सतह तथा आन्तरिक सतह में दोनो ओर क्रमबद्ध रूप से खण्ड पाये जाते है, इस प्रक्रिया को खण्डी भवन कहते है।
उदा० :— केंचुआ

5) पृष्ठ रज्जु (नोटोकार्ड) :— ऐसे प्राणी जिनके पृष्ठीय सतह पर पृष्ठ रज्जु पाई जाती है उन्हे रज्जुकी (कार्डेटा) प्राणी कहते है और जिन प्राणीयों में पृष्ठ रज्जु नहीं पाई जाती है उन्हे अरज्जुकी प्राणी (नान कार्डेटा) कहते है।

Date: ______ Page no: ______

Que संघ पोरीफेरा के सामान्य लक्षण लिखिए।

यह जन्तु जगत का सबसे सरलतम जीवों वाला संघ है।

1. यह मुख्यत: लवणीय जल में पाये जाते है।
2. इनका शारीरिक संगठन कोशिका स्तर का होता है।
3. इनमें असममिति पाई जाती है।
4. इस संघ के जीवों के शरीर के ऊपर अनेक छोटे - छोटे छिद्र पाये जाते है। जिसे ऑस्टीया कहते है। और एक बड़ा - सा छिद्र होता है जिसे ऑस्कुलम कहते है।
5. इनमें जल का परिवहन नाल तंत्र के द्वारा होता है।
6. इस संघ के जीवों के शरीर के मध्य में केन्द्रीय गुहा पाई जाती है जिसे स्पंज गुहा या स्पंजोशील कहते है।
7. इसमें विशेष प्रकार की कोशिका कोएनोसाइट या कॉलर सेल पाई जाती है।

उदा० :— स्पंज (स्पंजिला), यूस्पंजिला (बाथस्पंज), साइकॉन

Que. संघ सिलेंट्रेटा (नाइडेरिया) :—

यह अधिकांशत: समुद्र में पाये जाते है। इसके शरीर के मध्य में ~~एक~~

Date: _______ Page no: _______

सिलेंट्रान गुहा पाई जाती है इसलिए इसका नाम सिलेंट्रेटा रखा गया है।

(1) इस संघ के जीवों में विशेष प्रकार की निडोब्लास्ट (दंश कोशिका) पाई जाती है। इसलिए इस संघ का नाम नाइडेरिया रखा गया है।

(2) इसमें ऊतक स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।

(3) इसमें अरीय सममीति पाई जाती है।

(4) इनके शरीर में दो प्रकार की संरचना पाई जाती है, पॉलिप और मेडुसा।

(5) पॉलिप बेलनाकार होता है तथा मेडुसा छतरी के आकार का होता है।
पॉलिप का उदा.— हाइड्रा और मेडुसा का उदा.:— ओरेलिया या जेली फिश

(6) यह द्विकोरकिय होते हैं। [Diplo.

(7) इनके कुछ सदस्यों में कैल्शियम कार्बोनेट का बना हुआ कंकाल पाया जाता है।

☆ (8) पॉलिप अलैंगिक जनन के द्वारा मेडुसा बनाता है तथा मेडुसा लैंगिक जनन के द्वारा पॉलिप बनाता है।

उदा.:— एडमिसिया (समुद्री ऐनीमोन), गोरगोनिया (समुद्री व्यंजन), मैन्ड्रीना (~~[illegible]~~) (ब्रेन कोरल)

(~~[illegible]~~) निडोब्लास्ट से निकलता है।
(हिप्नोटोबिसन)

Date: ______ Page no: ______

Q.9 संघ टीनोफोरा के सामान्य लक्षण :—

यह मुख्यत: समुद्र में पाये जाते हैं। इन्हे समुद्री अखरोट (सीवालनट) भी कहा जाता है। यह जेली के समान (कंकाल जेली) कोम्ब जेली दिखाई देता है।

लक्षण :—

(1) इनमें अरीय सममिति पाई जाती है।
(2) यह द्विकोरकीय होते हैं [Diploblastic] इनमें दो जनन स्तर होता है — एक्टोडर्म, एण्डोडर्म
(3) इसमें आठ कोम्बप्लेट पाई जाती है जो चलन में सहायता करती है।
Imp (4) इस संघ के जीवों में जीवसंदीप्ति पाई जाती है।
(5) इसमें ऊतक स्तर का शारीरिक संगठन होता है।
(6) इसमें नर और मादा अलग-अलग नहीं होते हैं। इनमें लैंगिक जनन होता है।
(7) इनमें बाह्य निषेचन होता है।
(8) इनमें लार्वा अवस्था नहीं होता है।

उदा. :— टीनोप्लाना, प्लूरोब्रेकिआ

Date: ______ Page no: ______

* संघ प्लेटीहेल्मिंथीज [चपटेकृमि] :—

इस संघ के जीव मुख्यतः चपटे होते हैं और जीवों में परजीवी के रूप में पाये जाते है, यह चपटे होते है इसलिए इस संघ का नाम चपटेकृमियों वाला संघ प्लेटीहेल्मिंथीज रखा गया है।

लक्षण :—

(1) इनमें द्विपार्श्व सममिति पाई जाती है।
(2) यह त्रिकोरकीय [Triploblastic] होता है।
(3) इसमें अंग स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।
(4) इसमें गुहा नहीं पाई जाती है।
(5) इन परजीवी प्राणियों में अंकुश तथा चूषक पाये जाते है।
v. Imp (6) इनमें विशेष प्रकार की ज्वाला कोशिका (फ्लेम सेल) पाई जाती है जो परासरण नियंत्रण तथा उत्सर्जन में सहायता करती है।
(7) इनमें नर तथा मादा अलग नहीं होते हैं।
(8) इनमे आन्तरिक निषेचन होता है।
(9) इनमें बहुत सारी लार्वा अवस्था पाई जाती है।
(10) इस संघ के जीव प्लेनेरिया में पुनरुद्भवन की असीम क्षमता पाई जाती है।

उदा. :— टीनिया (फीताकृमि), फेसियोला (पर्णकृमि)

Date: Page no:

(गोलकृमि)

Que संघ ऐस्केहेल्मिथीज के प्रमुख लक्षण :—

इस संघ में सभी गोलकृमियों को रखा गया है। यह जीव मुक्त जीवी जलीय अथवा स्थलीय पौधों एवं प्राणीयों पर परजीवि के रूप मे पाये जाते है।

लक्षण :—

1. इसमें द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।
2. यह त्रिकोरकीय होते है।
3. इसमें कूटगुहा पाई जाती है।
4. इसमें अंगों तत्रं स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है
5. इसमें आहारनाल पूर्ण विकसित होती है।
6. यह एक लिंगी प्राणी होते है। इसमें मादा नर से बडी होती है।
7. इनमें आन्तरीक निषेचन पाया जाता है।

उदा. :— एस्केरिस (गोल कृमि), वुचेरिया (फाइलेरिया कृमि), एनसाइलोस्टोमा (अंकुश कृमि)

Que संघ एनेलिडा के प्रमुख लक्षण लिखिए।

Ans ये प्राणी लवणीय और अलवणीय जल अथवा स्थल पर पाये जाते है। इसका शरीर खण्डो में विभाजित होता है।

1. इसमें द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।

Date: ______ Page no: ______

(2) यह त्रिकोरकीय होते है।
(3) इनकी शारीर सतह स्पष्ट खण्डों में बँटी होती है।
(4) इसमें अंग तंत्र स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।
(5) इसमें बंद परिसंचरण तंत्र पाया जाता है।
(6) इसमें परासरण नियत्रंण और उत्सर्जन नेफ्रिडिया के द्वारा होता है।
(7) यह एकलिंगी प्राणी होते है, परन्तु केचुएं और जोंक में नर तथा मादा अलग-अलग नहीं होते है।

उदा. :- केंचुआ [फेरीटिमा पोस्थुमा], जोंक [हीरूडिनेरिया]

Q4 संघ आर्थ्रोपोडा के प्रमुख लक्षण लिखिए -

आर्थ्रोपोडा संघ जन्तु जगत का सबसे बड़ा संघ है जिसमें सभी कीट सम्मिलित होते है। यह जीव जल स्थल एवं वायु में पाये जाते है।

(1) इनमें अंग तंत्र स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।
(2) जोड़ी दार पैर युक्त होते है।
(3) इनमें संयुक्त नेत्र पाये जाते है।
(4) यह त्रिकोरकीय होते है।
(5) इनका शारीर वक्ष और उदर में बँटा होता है।
(6) इनमें संधि युक्त पाद पाये जाते है।
(7) इनमें उत्सर्जन मैलपिगी नलिका के द्वारा होता है।

Date: Page no:

(8) इनमें परिसंचरण तंत्र खुले प्रकार का होता है।

उदा. :— मधुमक्खी (एपिस), मच्छर (एडीज), यूथपीडक टिड्डी (लोकस्टा), तितली, बिच्छू, झींगा मछली (प्रॉन)

संघ मोलस्का के लक्षण :— (कोमल शरीर वाले प्राणी)

यह जन्तु जगत का दूसरा बड़ा संघ है। यह प्राणी स्थलीय अथवा जलीय होता है।

(1) इनमें अंग तंत्र स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।
(2) इनमें द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।
(3) यह त्रिकोरकीय होते है।
(4) इनमें प्रगुहा पाई जाती है।
(5) इनका शरीर कोमल होता है, परन्तु कैल्शियम के कठोर कवच से ढका रहता है।
(6) मुख में भोजन के लिए रेती के समान घिसने का अंग रेतीजिव्हा (रेडुला) पाया जाता है।
(7) नर और मादा अलग - अलग होते है।
(8) यह अण्डप्रज होते है।

उदा. :— पाइला (सेब घोंघा), ऑक्टोपस, सीपीया (कटलफिश), एप्लाइसिया (समुद्री खरगोश), (वेताल मछली)

theboardstudy.com

Date: ______ Page no: ______

Que सघं इकाइनोडर्मेटा के लक्षण लिखिए ?

Ans. इस संघ के प्राणियों में कैल्शियम युक्त अंत: कंकाल पाया जाता है इसलिए इसका नाम इकाइनोडर्मेटा रखा गया है। यह मुख्यत: समुद्र में पाये जाते हैं।

1. इसमें अंग तंत्र स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है ~~वयस~~
2. वयस्क अवस्था में अरीय सममीति तथा लार्वा अवस्था में द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।
3. यह त्रिकोरकीय होते हैं।
4. पाचन तंत्र पूर्ण विकसित होता है।
5. * इसमें जल संवहन तंत्र पाया जाता है।
6. इसमें उत्सर्जन तंत्र का अभाव होता है।
7. इनमें नर तथा मादा अलग - अलग होते हैं।
8. इनमें बाह्य निषेचन पाया जाता है।

उदा. :— तारा मीन (ऐस्टेरियस), भंगुर तारा (ओफियूरा)।

Que संघ हेमीकॉर्डेटा के प्रमुख लक्षण लिखिए ?

हेमीकॉर्डेटा को पहले कशेरुकी संघ के अन्तर्गत रखा गया था परन्तु बाद में इसे अलग संघ में रखा गया है जिसे हेमीकॉर्डेटा कहा गया यह कशेरुकी और अकशेरुकी के बीच की संयोजक कड़ी है।

Date: ______ Page no: ______

1. इस संघ के जीव कृमि के समान होते है जो समुद्र में पाये जाते है।
2. इनका शरीर बेलनाकार तथा शुंड, कॉलर और वक्ष में बंटा होते है।
3. इनमे द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।
4. यह त्रिकोरकीय होते है।
5. इनमे बंद प्रकार का परिसंचरण तंत्र पाया जाता है।
6. इनमे ~~उत्सर्जन~~ श्वसन के लिए श्वसन क्लोम पाये जाते है।
7. इनमे उत्सर्जन शुंड ग्रंथि के द्वारा होता है।
8. इनमे नर तथा मादा अलग - अलग होते है।

उदा. :- बैलैनोग्लोसस, सैकोग्लोसस

Qu. संघ कोर्डेटा (कशेरुकी) के लक्षण लिखिए?

ऐसा संघ जिसके अन्तर्गत सभी कशेरुकी प्राणियों को रखा गया है इसके मूलभूत लक्षण निम्न है -

1. इसमे पृष्ठरज्जु (नोटोकार्ड) पाई जाती है।
2. इसमें मेरुदण्ड पाई जाती है। [Spainal Cord]
3. इस संघ के प्राणियों में क्लोम छिद्र पाये जाते है।
4. इसमे पश्च गुदा पुच्छ पाई जाती है।
5. इनमे द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।
6. यह त्रिकोरकीय होते है।

Date: ______ Page no: ______

(7) इसमें अंग तंत्र स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।

(8) इनमें परिसंचरण तंत्र बंद प्रकार का होता है।

(9) कशेरूकी संघ के प्राणियों में पृष्ठरज्जु भ्रूणी अवस्था में पाई जाती है परन्तु वयस्क अवस्था में पृष्ठ रज्जु ठोस (अस्थिल) हो जाती है जिसे मेरूदण्ड कहते हैं

संघ कॉर्डेटा को तीन उपसंघो में बाँटा गया है

(1) यूरोकॉर्डेटा या ट्यूनिकॉर्डेटा

(2) सेफैलोकॉर्डेटा

(3) वर्टीब्रेटा

Imp

कशेरूकी (रज्जुकीय) प्राणी	अकशेरूकी (अरज्जुकीय)
(1) इनमें पृष्ठरज्जु पाई जाती है।	इनमें पृष्ठरज्जु नहीं पाई जाती है
(2) इनमें केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र पृष्ठीय भाग पर खोखला तथा संख्या में एक होता है	इनमें केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र अधर सतह पर ठोस तथा संख्या में दोहरा होता है।
(3) इसमें क्लोम छिद्र पाये जाते हैं।	इसमें क्लोम छिद्र नहीं पाये जाते हैं।
(4) इसमें पश्च गुदा पुच्छ पाई जाती है।	इसमें पश्च गुदा पुच्छ नहीं पाई जाती है।
(5) इसमें हृदय अधर सतह पर पाया जाता है।	इसमें हृदय पृष्ठ सतह पर पाया जाता है। (अगर उपस्थित हो तो)
उदा. सभी विकसित जीव जैसे - कुत्ता मनुष्य, बन्दर, बिल्ली	उदा. - केंचुआ, जोंक, स्पंज

Date: ______ Page no: ______

Que उभयचर (एम्फीबिया) वर्ग के लक्षण :—
एम्फीबिया ग्रीक भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है जैसे एम्फी + बायोस जहाँ पर एम्फी का अर्थ "दो स्थानों पर" तथा बायोस का अर्थ जीवित रहना। अर्थात ऐसे जीव जो दो स्थानों पर जिंदा रह सकते है, एम्फीबिया वर्ग में रखे गये हैं। दो स्थान जैसे — जल और स्थल में।

(1) एम्फीबिया वर्ग के जीवों में दो जोड़ी पैर होते है।
(2) इनका शरीर सिर और धड़ में विभाजित होता है।
(3) उभयचर वर्ग के जीवों में त्वचा नम होती है।
(4) इनमें बाह्य कर्ण के स्थान पर कर्ण पटल पाया जाता है।
(5) इनमें आहार नाल, मूत्राशय तथा जनन मार्ग एक थैली के समान संरचना में खुलते है, जिसे अवस्कर कहते हैं।
(6) इनमें श्वसन क्लोम, फेफड़े तथा त्वचा के द्वारा होता है।
(7) इनमें हृदय तीन कोष्ठों का बना होता है। दो आलिंद और एक निलय।
(8) यह असमतापीय प्राणी होते हैं।
(9) इनमें बाह्य निषेचन पाया जाता है।

उदा. :— मेढ़क [राना टिग्रीना], हायला [वृक्ष मेंढक], सैलामेंडर [सैलेमेन्ड्रा]

theboardstudy.com

Date: ________ Page no: ______

Que सरीसृप वर्ग (रेपटेलिया) के लक्षण :—

सरीसृप वर्ग में सभी सरकने या रेंगने वाले प्राणी आते हैं। रेपटेलिया शब्द की उत्पत्ति ग्रीक लैटिन भाषा के रेपरे या रेपटम शब्द से हुई है। इस वर्ग में अधिकांश प्राणी पेट के बल सरककर चलते हैं।

लक्षण :—

1. इस वर्ग के अधिकांश प्राणी स्थलीय होते हैं।
2. इनमें बाह्य कर्ण छिद्र नहीं पाये जाते हैं। परन्तु कर्णपटल बाहर कर्ण का प्रतिनिधित्व करता है।
3. इनमें दो जोड़ी पाद पाए जाते हैं।
4. इनमें हृदय सामान्यतः तीन प्रकोष्ठों वाला होता है परन्तु मगरमच्छ में चार कोष्ठों वाला होता है।
5. यह असमतापीय प्राणी होते हैं।
6. साँप तथा छिपकली अपनी त्वचा को केंचुली के रूप में छोड़ते हैं।
7. इनमें आन्तरिक निषेचन होता है।
8. इनमें नर और मादा अलग - अलग होते हैं।
9. यह सभी जीव अण्डे देते हैं।

उदा. :— किलोन / कछुआ (टर्टल), मगरमच्छ, छिपकली, जहरीले सर्प (किंग कोबरा), घड़ियाल

Date: ______ Page no: ______

Note :— सबसे जहरीली छिपकली Heloderma (हेलोडर्मा) । छिपकली के अध्ययन को Saurology (सॉरोलोजी) कहते है।

साँप के अध्ययन को Ophiology कहते है। सरीसृप वर्ग की उत्पत्ति पेलियोजोइक काल में होती है।

Que पक्षी वर्ग (एवीज) के सामान्य लक्षण लिखिए ?

इस वर्ग में सभी प्रकार के पक्षियों को रखा गया है पक्षियों के अध्ययन ओरनिथोलोजी (ornithology) कहते है और भारतीय पक्षी वैज्ञानिक डॉ. सलीम अली थे।

(1) पक्षीयों में पंख पाये जाते है, जो अग्रपाद का रूपान्तरण है।

(2) पक्षीयों में चोंच पाई जाती है।

(3) पक्षीयों में मूत्राशय नहीं पाया जाता है।

(4) पक्षीयों की त्वचा शुष्क होती है।

(5) इसकी पूँछ में तेलग्रंथि को छोड़कर अन्य कोई ग्रंथि नहीं पाई जाती है।

(6) पक्षियों का अन्तः कंकाल (अस्थियाँ) खोखली होती है, अर्थात वायुकोष युक्त होती है।

(7) पक्षियों के पाचन में सहायक संरचना को क्रोप या पेषणी कहते है।

(8) पक्षियों का हृदय चार कोष्ठों का बना होता है।

Date: ______ Page no: ______

(9) यह समतापीय प्राणी होते है,
(10) इनमे श्वसन फेफड़ो के माध्यम से होता है।

उदा. :— कौआ (कार्वस), तोता (सिटीकुला), मोर (पैवो), ओस्ट्रिच (स्ट्रुथिओ)

Note :— (1) कोयल अपने अण्डे कौआ के घोंसले में देती है। इसे शिशु परजीविता कहते है।

(2) कबूतर अपने बच्चो को दूध पीलाता है।

Que — स्तनी (मैमेलिया) वर्ग :—

इस वर्ग के सभी प्राणी सभी प्रकार के वातावरण में पाये जाते है। और स्तनधारियों का अध्ययन करना मैमोलोजी (mammology) कहलाता है।

(1) इस वर्ग के सभी प्राणियों में स्तन ग्रंथिया पाई जाती है,
(2) इनमें दो जोड़ी पाद पाये जाते है, जो चलने दौड़ने तैरने एवं बिल में रहने के लिए अनुकूलित होते है,
(3) इनकी त्वचा पर रोम पाये जाते है।
(4) इनमें बाह्य कर्ण पाये जाते है,
(5) ये विषमदंती प्राणी होते है,
(6) स्तनधारियों में डायफ्राम पाया जाता है।

Date: ______ Page no: ______

(7) इनका हृदय चार कोष्ठों में बँटा होता है।
(8) कुछ को छोड़कर सभी स्तनधारी बच्चों को जन्म देते हैं
उदा. :— मानव (होमो सेपियन्स), बन्दर (मकाका), घोड़ा (इक्वुस), बाघ (पैंथेरा टाइग्रिस), शेर (पैंथेरा लियो)

Imp Point :—

(1) खुले परिसंचरण तंत्र में रक्त का बहाव हृदय से सीधे बाहर की ओर होता है तथा कोशिका एवं ऊतक रक्त में डूबे होते हैं।
(2) बंद परिसंचरण तंत्र में रक्त का संचार हृदय से अलग - अलग वाहिकाओं में होता है, जैसे :— धमनी शिरा तथा केशिकाएं
(3) स्पंज में असममीती पाई जाती है।
(4) सिलेंट्रेटा इकाइनोडर्मेटा, टिनोफोरा में अरीय सममीति पाई जाती है।
(5) एनिलिडा ऐस्केल्मिंथीज हेमीकोर्डेटा आर्थोपोडा तथा प्लेटीहेल्मिंथीज में द्विपार्श्व सममीति पाई जाती है।
(6) ऐस्केल्मिंथीज में कूटगुहा पाई जाती है
(7) प्लेटीहेल्मिंथीज में गुहा नहीं पाई जाती है इसलिए उन्हें अगुही प्राणी कहते हैं
(8) संघ पोरीफेरा में नाल तंत्र पाया जाता है जिससे जल का परिवहन होता है।

Date: ______ Page no: ______

(9) संघ इकाइनोडर्मेटा में जल संवहन तंत्र पाया जाता है।

(10) संघ टिनोफोरा को समुद्री अखरोट के नाम से जाना जाता है।

(11) संघ सिलेन्ट्रेटा में पॉलिप और मेडुसा नामक संरचना पाई जाती है।

(12) टिनोफोर में जीवसंदीप्ति पाई जाती है।

(13) प्लेनेरिया में पुनरुद्भवन की अपार क्षमता पाई जाती है।

(14) संघ आर्थोपोडा प्राणी जगत का सबसे बड़ा संघ है।

(15) संघ मोलास्का प्राणी जगत का दूसरा सबसे बड़ा संघ है।

(16) ऐसे जीव जिनके शरीर का तापमान बाहर के तापमान से बदल जाता है, उन्हें असमतापी प्राणी कहते हैं। [ectotherm]

(17) ऐसे जीव जिनके शरीर का तापमान बाहर के तापमान से नहीं बदला उन्हें समतापी प्राणी कहते हैं।

(18) मिसोजोइक काल को सरीसृपों का स्वर्णिम काल या स्वर्ण काल कहा जाता है।

(19) पेलियोजोइक काल में सरीसृपों की उत्पत्ति हुई थी।

(20) साँपों का अध्ययन ophiology कहलाता है।

(21) डॉ. सलीम अली प्रसिद्ध भारतीय पक्षी वैज्ञानिक थे।

(22) सीनोजोइक काल को ~~स्तन~~ स्तनधारियों का काल माना जाता है।